HRA an USIUA The Gazette of India

असाधारणः EXTRAORDINARY

भाग III—बण्ड 1 PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं 0 2]

नई विस्ती, गुक्रवार, जनवरी 16, 1987/पीव 26, 1908

No. 2]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 16, 1987/PAUSA 26, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय, आर्जन रेंज,

हैदराबाद, 31 दिसम्बर, 1986

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भ्रधीन सूचनाएं

निर्वेश सं० धार. ये. सी. नं. 18/86-87 :-- यतः मुझे टी. गोरखनाथन भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के भ्रधीन संभ्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- प्रथ्ये से भ्रधिक है और जिसकी सं. भूमि है, जो गुंडला पोचमाल्ली (व्हो) स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रवीन भ्रप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए रजिस्ट्रकृत विलेख के भ्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण 1463 GI|86- 1

है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का छनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (श्रन्तरकों) और भ्रन्तरिति (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गंग या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और, यतः, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्ववत सम्पत्ति में भाजन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा भाभिलिखित किये गए हैं।

भतः, भव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर भिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- (1) श्री जी. रामकृष्णा रेड्डी पिता बाल रेड्डी, घरने 11-24, बूरटोंगुडा, बोलाराम, सिकदराबाद।
- (2) श्री जी. महेंदर रेड्डी पिता जी. रामकृष्णा रेड्डी, घर नं. 11-24, बूरटोंगुडा, बोलाराम सिकन्दराबाद। (अन्तरक)
- (3) मैसर्स भ्रमिशेक स्टील लि॰, 72 पैंग कोलनी, सिकदराबाद, बाद डायरेक्टर्स, गोनाल श्रागरवाल पिता बिद्राबान भागरवाल, और भगोक श्रागरवाल पिता प्रल्हाद राज भागवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाब गंज, हैदराबाव—500002 (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यभाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के भर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई होतो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

एतद्दारा भागे यह श्रीधतूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए भाक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भ्रन्तरिति को वी आएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववत पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों को सुनअई के समग सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्वाय 20के यथा परिमा-षित है, बही अर्थ होगा, जो उन्न अध्याय में विखाया है।

भनुसूची

बंजर कृषि भूमि सर्वे नं . 72, और 73, विस्तीणं 4एकड़, और 10 गूंठे, गूंडला पोंचमपल्ली, मेडचल, जिला रंगारेड्डी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं . 2594/86, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी मेडचल ।

तारीख: 31-12-1986

सील:

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 31st December, 1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D [1] OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 [43 of 1961]

No. 18/1986-87 .—Whereas, Ref. T. Goraknathan being the competent authority Section 269 D of the Income-Tax 1961), have reason to Act, 1961 (43 of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 land bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal, on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961
 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax, 1957 (27 of 1957):

And, whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chaper XXA of the Incometex Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

3-2--

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- 1. Shri G. Ramakrishana Reddy, S/o Shri Bal Reddy, H. No.11-24, Burtonguda, Bollarum, Secunderabad.
- 2. Shri G. Mahender Reddy, S/o Shri G. Ramakrishana Reddy H. No. 11-24, Burtonguda, Bollaram, Secunderabad.

(Trasferor).

2. M/s. Abhishek Steels Limited,
Office at 72, Paigah Colony,
Secunderabad-500 003.
Represented by its Directors,
Shri Gopal Agarwal,
S/o Shri Bindraban Agarwal,
H. No. 72, Paigah Colony, Secunderabad, and
Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad
Rai Agarwal No. 21-1-390, Rikab Gunj,
Hyderabad-500 002. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing survey Nos. 72 and 73 admeasuring Four Acres and Ten Guntas (4-10) situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District-registered by the sub Registrar, Medchal—vide document No. 2594/86.

Dated: 31-12-1986 Seal: Hyderabad

निर्देश सं० आर. ए. सी. नं० 18/86-87 : →यतः, मुझे टी. गोरखनायन **प्रा**यकर म्रधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रमीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मूल्य 5,00,000/-- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं. भूमि है, जो गुड़ला पोचम-पल्ली (व्ही) स्थित है (और इससे उपावक प्रतुसुधी में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भवीन अत्रैल, 1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रोक्कत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गेश ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण में लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बन्बत भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किती द्राय या किसी धन या घम्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ग्रिधिनयम 1922 (1922 का 11) या ध्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिए सुकर गनाना।

और, यतः, मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रह्माय 20-क के ग्रन्दों में पूर्ववत सम्पत्ति में प्रार्थन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रमि-लिखित किये गए हैं। श्रतः श्रब, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं भायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री जी. रामोरेड्डी पिता बाल रेड्डी, और
- (2) श्रों जी. श्रीनिवासा रेड्डी पिता रामी रेड्डी घर नं. 9-89, बुरटोंगुडा, सिकदराबाद।
- (3) श्रीमित टी. भारती पति टी. जनार्धन रेड्डी, संतोपनगर कालोनी, हैदराबाद
- (4) श्रीमिति वो. सूगूना पति बो. जनार्धन रेड्डी, श्रालीशाबाद, हैदराबाद
- (5) श्रीनित एत. स्वरूपा पति श्री मीता रेड्डी, जननेटु, फलक्त्रनुमा, हैदराबाद
- (6) श्रीमिति पि. बसंता पति पि. प्रताप रेड्डी, बाड्गाल, मेडचल तालूक, जिला रेंगारेड्डी

(अन्तरक)

- (1) मैंसर्स श्रिभिणेक स्टील लि., 72, पैंग कालोती, सिंकदराबाद-3, रीक्रेजेंटेड बाई गोनाल अग्ररवाल, पिता बीदाबान ग्रागरवाल, 72 पैंग कालनी, सिंकदराबाद।
- (2) श्री प्रगोप्त प्रगरभाल पिता, प्रल्हाद राइ प्रगरवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाय गंज, हैदराबाद-500002 (अन्तरिति)

को यह सूबना जारी कर के पूर्वाक्त तन्नि के अर्जन के लिए एतर्द्वारा कार्यवाहियां सुरू करता हूं। उन्त सम्मत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जें। भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की दृतारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एलव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति क अन्तरिति को दी जाएगी।

एतव्हारा धार्गे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर एसे व्यक्तिको जिले पूर्वेक्ति परा के श्रधीन सूचना दी गई है ग्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20 के यथा परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उन श्रध्याय में दिखाया है।

भनुसूची

बंजर कृषि भूमि विस्तीर्ण 4एकड़, सर्वे नं. 71 और 72 गूंडला पोजमपल्ली क्हीलेंज, मेडचल मंडल, जिला रंगारेड्डी, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2593/86, रिजिस्ट्रीकर्ता भिधिकारी मेडचल।

वाराख : 31-12-86

सोल:

18/1986-87:—Whereas, I, T. No. Goraknathan, being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is lees than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

perty in terms of Chapter XXA of the incometax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid poperty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri G. Rami Reddy, S/o Shri Bal Reddy H. No. 9-89, Burtonguda, Secunderabad;
- Shri G. Sreenivasa Reddy, Son of Shri Rami Reddy, H. No. 9-89, Burtonguda, Secunderabad;
- 3. Smt. T. Bharathi, W/o: Shri T. Janar-dhana Reddy, Santoshnagar Colony, Hyd.;
- 4. Smt. B. Suguna, W/o: Shri B. Janardhan Reddy, Aliabad, Hyderabad;
- 5. Smt. N. Swaroopa, W/o: Shri Meena Reddy, Jangamettu, Falknauma, Hyd.;
- 6. Smt. P. Vasantha, W/o: Shri P. Pratapa Reddy, Bodduppal, Medchal tk. Distt. Ranga Reddy, Hyderabad.

(Transferors)

- M/s. Abhishek Steels Ltd., Office situated at 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003.
- Represented by: 1, Shri Gopal Agarwal, son of Shri Bindraban Agarwal, No..72, Paigah Colony, Secunderabad.
- 2. Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad Rai Agarwal H. No. 21-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500002.

(Transferees)

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned.) :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette

- or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural lands bearing part of Survey Nos. 71 and 72 admeasuring Four Acres situated at Gundla Pochamaplly Village, Medchal Mandal, Ranga Reddy District—registered by the Sub Registrar, Medchal—vide document No. 2593/86.

Date: 31-12-1986

Scal:

निर्देश सं ० 18/1986-87 :--- यतः मुझे, टी. गोरखनायन, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन संधोप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं. भूमी है, जो गं इला पोचमपल्ली विलेज स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिय्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैंडचल में भारतीय राजिब्द्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 19 अप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रिकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और भन्तरिति (भन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत ध्रायकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) के घ्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर मिध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या

किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः भायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति में भाजेंम के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा भाभितिवात किये गए हैं।

द्यतः ग्रथ, घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---

- डॉ. जी. वालकृष्णा रेड्डी पिता लेट जी. बाल रेड्डी, 9/103/2, ब्रूस्टोंगुडा, बोलारम, सिंकदराबाद। (झन्तरक)
- 2. मैसर्स प्रभीशेक स्टीलस् लि., पैंग कालोनी, सिकदराबाद-500003, रीप्रेजेटेंड बाई हायरेक्टर, श्री गोपाल ग्रागरवाल पिता श्री बिन्द्राबान ग्रागरवाल, रेसीडेंट नं. 72, पैंग कालोनी सिकदराबाद, 3, और श्री ग्रगोक ग्रागरवाल, पिता श्री प्रलाद राय ग्रागरवाल, घर नं. 21-1-390, रोकाबगंज, हैदराबाद-500002 (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां गुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राज्यक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा त्रागे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के प्रजीन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए प्राक्षेपां, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा प्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के प्रन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हरऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वोवत पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के शब्दाय 20 के यथा परि-भाषित है, बह्दी अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिखाया है।

प्रनुसूची

बंजर कृषि भूमि सर्वे नं. 71, विस्तीणं दो एकड़ ग्ंडला पांचमपल्ली, विलेज, मेडचल मंडल, जिला रेंगा-रेड्डी, रजिस्ट्रीकृत नं. 2590/86, रजिस्ट्रीकर्ता धांधकारी, मेडचल ।

तारीख 31-12-86

सोलः

Ref. 18/1986-87:—Whereas, I, T. No. Goraknathan, being the competent authority Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on Apr. 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Dr. G. Balakrishna Reddy, S/o Late
 G. Bal Reddy 9/103/2, Burtonguda,
 Bolaram, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003, represented by its Directors,

(Transferee)

(2) Shri Gopal Agrawal, S/o : Shri Bindraban Agarwal, Resident of No. 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003 & Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahalad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390, Rikab gunj, Hyderabad-500 002. (person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official-Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing part of survey No. 71, andmeasuring two acres

situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District, Andhra Pradesh, registered by the Sub-Registrar, Medchalvide document No. 2590/86.

Date: 31-12-1986 Seal: Hyderabad

निर्देश सं आर ये सी नं 18/86-87 .---यतः मुझे टी. गोरखनायन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपये से ग्रधिक है और जिसकी भूमि है, जो मंडला पोचमगल्ली (वही) स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिब्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीत 19 प्रप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेज के प्रनुसार मन्तरिति की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य. उसके दुरयमान प्रतिकल से ऐसे दुरयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि मन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण में लिखितवास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 हा 43) के श्रवीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधि-नियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने के लिए सुकर बनाना।

और तब आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भवाय 20-क के शब्दों में पूर्ववत सम्पत्ति में भर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा भ्रमिलिखित किये गए हैं।

ग्रतः, ग्रव, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मै भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ध्रधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:--

- (1) श्री जी. रामा रेड्डी और
- (2) श्री जी. श्रीनिवासः रेड्डी, पिताश्री बाल रेड्डी, 9/89, पूरटोंगूडा, बोलारम, सिकन्दराबाद,

- (3) श्रीमित टी. भारती पति जनार्धन रेड्डी संतोष-नगर, सहदाबाद, हैवराबाद-
- (4) श्रीमित बि. सूगुना पति बि. जनार्धन रेड्डी, अतीनाबाद, हैवराबाद
- (5) श्रीमती यन, स्वरूपा पति यन मीना रेड्डी, जंगामोटू, फलअनूमा, हैदराबाद
- (a) श्रीमित पि. वसंता पति पि. प्रताप रेड्डी, बेडडपाल, मेडचल तालूक (अन्तरक)
- 2. मैससं अभिशेक स्टील लि. 72, पेंग कालोनी, बाई (1) श्री गोपाल अग्रवाल पिता बिंदरबान अग्रवाल, रेसीडेंस 72, पैंग कालोनी, सिकन्दराबाद
- (2) अगोक अग्रवाल पिता प्रव्हाच राय श्रप्रवाल, रेसीर्डेस नं. 21-1-390, रकावगंज, हैदराबाद --500 002 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीकृत सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्दारां कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी प्रत्य ध्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

एतद्द्वारा भागे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्थन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनदाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगें और उसकी सूचना हुर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह श्रीधसूचित किया जाता है कि हरऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववत पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रीधकार होगा ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के झब्याय 20 के यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस झब्याय में दिखाया है।

मन् सूची

ं बंजर कृषि भूमि सर्वे नं 71 और 72, विस्तीणं 4 एकड़, गूडला पोचमपल्ली व्हीलेज, मेडचल, जीला रंगारेड्डी, रिजिन्द्रीकृत विलेख नं 2559/86, रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मेडिकल।

तारीखः ३1-12-86 मृहरः हेदराबाद

Ref. No. 18/1986-87 :--- Whereas, I. T. GORAKNATHAN being the competent under Section 269 D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli(V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April, 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961
 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax, 1957 (27 of 1957):

And, whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me:

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the

acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. Rami Reddy,
- (2) Shri G. Sreenivasa Reddy Sons of Late Shri Bal Reddy, 9/89, Burtonguda, Bolaram, Sccunderabad.
- (3) Smt. T. Bharathi, W/o Shri Janardhan Reddy, Santosh Nagar, Saidabad, Hyderabad.
- (4) Smt. B. Suguna, W/o Shri B. Janardhan Reddy, Aliabad, Hyderabad.
- (5) Smt. N. Swaroopa, W/o Shri N. Meena Reddy, Jangameetu, Falaknuma, Hyderabad.
- (6) Smt. P. Wasantha,W/o. Shri P. Pratap Reddy,Bodduppal, Medchal Taluk.

(Transferors)

M/s. Abhishek Steels Limited,
 Office situated at 72, Paigah Colony,
 Secunderabad-500 003.

Represented by: 1. Shri Gopal Agarwal, S/o Shri Bindraban Agarwal, Resident of No. 72, Paigah Colony, Secunderabad.

(2) Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahalad Rai Agarwal, Resident of No. 21-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500 002.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned: —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural lands bearing part of survey Nos. 71 and 72 admeasuring four acres situated at Gundla Pochampally Village, Medchal Mandal, Ranga Reddy District registered by the Sub-Registrar, Medchal—vide document No. 2559/86

Dated: 31-12-1986 Seal: Hyderabad

निर्देश सं. आर. ये. सी. न. 18/86-87: —यतः, मुप्ते टी. गौरखनाथन भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5,00,000/- रुपय से प्रधिक है और जिसकी भूमि है, जो गुंबलापोचमपल्ली(व्ही) स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेंडचल में भारतीय रजिस्टी-करण ग्रक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थीन अप्रैल, 1986 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेज के प्रनु-सार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है और यह कि मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण में क्षिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत आयकर प्रश्नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के लिए सुकर बनाना।

और यतः प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वधन संपत्ति में धर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किये गए हैं।

भ्रतः, श्रबः, धारा 269-ग के श्रनसरण में, मैं श्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--

- (1) श्री जी. रामकृष्णा रेड्डी पिता बाल रेड्डी, घर नं. 11-24, बुरटोगुडा, बोलरम, सिकन्दराबाद
- (2) श्री जी. महेंदर रेड्डी पिता जी. रामकृष्णा रेड्डी, घर नं. 11-24, बूरटोंगृडा, बोलारम, सिकन्दराबाद (श्रन्तरक)
- (3) मैसर्स भ्रभीशेंक स्टील लि., 72, पैंग कॉलोनी, सिकन्दराबाद, रीप्रजेंटेड बाइ डायरेक्टर्स, गोपाल भ्रागरवाल धर नं. 72, पैंग कॉलोनी, सिकन्दराबाद, और श्री भ्रशोक श्रग्रवाल पिता प्रहलाद राथ भ्रागरवाल, धर नं. 21-1-390, रीकाबगंज. हैदराबाद-500002. (अंतरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त संपत्ति के धर्जन के प्रति ध्राक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा संकेंगे :

एत्द्वारा ग्रागे यह ग्रधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर संपत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए ग्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेय किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रिष्ठसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववत पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, प्रक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा। स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिखाया है।

अनुसूर्चा

बंजर भूमि, सर्वे नं. 72 अंग् 73, विग्तीर्ण 4 एकड़, गृडला पोचमपल्ली व्हीलेज, मेडचल, जीला रेंगारेड्डी रिजस्ट्री-कृत विलेख नं. 2558/86 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल ।

> (टा गोरखनाथन) सक्षम प्रधिकारी (सहायक भ्रायकर आयुक्त) निरीक्षण भ्राजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 31-12-1986

Ref. No. 18/1986-87 .- Whereas, I., T. Goraknathan competent being the authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

And, whereas, the reasons for initiating proceed, ings for the acquisition of the aforesaid property.

in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me;

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269 D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. Ramakrishna Reddy S/o Shri Bal Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bollarum, Secunderabad
- (2) Shr G. Mahender Reddy, S/o Shri G. Ramakrishna Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bollarum, Secunderabad. (Transferor)
- 2. M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at No. 72, Paigah Colony, Secunderabad-500 003, represented by its Directors, Shri Gopal Agarwal, H. No. 72, Paigah Colony, Secunderabad, and Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahlad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390 Rikabgunj, Hyderabad-500 002. (Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing survey Nos. 72 and 73 admeasuring Four Acres situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District—registered by the Sub Registrar, Medchal—Vide document No. 2558/86.

T. GORAKNATHAN, Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad(A. P.) Date 31-12-1986

Seal: Hyderabad.